मनक जनम की मौज फेर नहीं आवे

मनक जनम की मौज,
फेर नहीं आवे,
ओर नहीं आवे,
म्हारा सतगुरु दीनदयाल,
ओर की सावे।bd।

आसन पदम लगाय,
एक धुन लाया,
एक धुन लाया,
म्हारी सुरता सुहागन नार,
ज्ञान घर पावे।bd।

ऊन मुन की सेरीया पर,
सुरत म्हारी जावे,
सुरत म्हारी जावे,
या करोड़ भान परकाश,
सुन घर पावें।bd।

त्रिवेणी की तीर,
संत कोई नावें,
संत कोई नावें,
जारा कटे करम का,
किट पाप झड़ जावे।bd।

गावे गणेश खरवाल,
अमर पद पावे,
अमर पद पावे,
कहता घीसा लाल,
मोक्ष पावे।bd।

मनक जनम की मौज,
फेर नहीं आवे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ओर नहीं आवे,
म्हारा सतगुरु दीनदयाल,
ओर की सावे।bd।

प्रेषक / गायक – जगदीश चन्द्र जटिया।
9950647154 मावली उदयपुर राजस्थान।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com